



आरती श्री रामायण जी की।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥

गावत ब्रह्मादिक मुनि नारद।
बाल्मीकि बिग्यान बिसारद॥
शुक सनकादिक शेष अरु शारद।
बरनि पवनसुत कीरति नीकी॥
आरती श्री रामायण जी की।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



श्री रामायण जी की आरती

Shri Ramayan Ji Ki Aarti · MandirTheTemple.com

गावत बेद पुरान अष्टदस।
छहों शास्त्र सब ग्रंथन को रस॥
मुनि जन धन संतन को सरबस।
सार अंश सम्मत सब ही की॥
आरती श्री रामायण जी की।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥

गावत संतत शंभु भवानी।
अरु घटसंभव मुनि बिग्यानी॥
ब्यास आदि कबिबर्ज बखानी।
कागभुशुंडि गरुड़ के ही की॥
आरती श्री रामायण जी की।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥

कलिमल हरनि बिषय रस फीकी।
सुभग सिंगार मुक्ति जुबती की॥
दलनि रोग भव मूरि अमी की।
तात मातु सब बिधि तुलसी की॥
आरती श्री रामायण जी की।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें